This question paper contains **16** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

2604

B.A. (Programme)/I **D–I**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिन्दी भाषा (क)—प्रश्न-पत्र I

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15+15

(क) इन एकदेशी भाषाओं में बंगाली सबसे अधिक कोमल, मधुर और सरस है। मरहठी महाकठोर और कर्णकटु तथा पंजाबी निहायत भद्दी कठोर और रूखापन में उर्दू की छोटी बहिन है। अब अपनी हिंदी की ओर आइए। इसमें सन्देह नहीं विस्तार में हिंदी अपनी बहिनों में सबसे बड़ी है। ब्रजभाषा, बुन्देलखण्डी, बैसवारे की

तथा भोजपुरी इत्यादि इसके कई एक अवान्तर भेद हैं। ब्रजभाषा में यद्यपि कुछ मिठास है पर यह इतनी जनानी बोली है कि इसमें सिवाय शृंगार के दूसरा रस आ ही नहीं सकता। जिस बोली को कवियों ने अपने लिए चुन रखा है वह बुन्देलखण्ड की बोली है। इसमें सब प्रकार का काव्य और सब रस समा सकते हैं।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) हिंदी भाषा के कौनसे अवान्तर भेद बताए गए हैं ?

(*iii*) बंगाली और मराठी भाषाओं के बारे में लेखक की क्या राय है ?

(*iv*) उद्धरण में ब्रजभाषा को जनानी बोली क्यों कहा गया है ?

(*v*) लेखक को कौनसी भाषा पसन्द है और क्यों ?

(ख) यह कहना कि समाज व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन में व्याप्त है, सत्य की उपेक्षा करना होगा। साधारणतः मानवीय स्वभाव का अधिकांश समाज के शासन में नहीं रहता, क्योंकि वह बंधन से परे है। मनुष्य के जीवन का जितना अंश धर्म, शिक्षा आदि की भिन्न-भिन्न सामाजिक संस्थाओं के संपर्क में आता है, उतना ही समाज द्वारा शासित समझा जाता है और उतने ही से

हम उसके विषय में अपनी धारणा बनाते हैं। समाज यदि मनुष्यों का समूह मात्र नहीं है तो मनुष्य भी केवल क्रियाओं का समूह नहीं। दोनों के पीछे सामूहिक और व्यक्तिगत इच्छा, हर्ष और दु:खों की प्रेरणा है।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) 'यह कहना कि समाज व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन में व्याप्त है, सत्य की उपेक्षा करना होगा', क्यों ?

(*iii*) 'समाज यदि मनुष्यों का समूह मात्र नहीं है तो मनुष्य भी केवल क्रियाओं का समूह नहीं'—इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) इस उद्धरण के अनुसार समाज और व्यक्ति क्या एक दूसरे के पूरक हैं ?

(*v*) विलोम लिखिए : जीवन, मानवीय, सामाजिक।

(ग) सहसा नन्हकू का मुख भयानक हो उठा। उसने कहा—"चुप रहो, तुम उसको जानकर क्या करोगी ?" वह उठ खड़ा हुआ। उद्विग्न की तरह नं जाने क्या खोजने लगा। फिर स्थिर होकर उसने कहा—"दुलारी ! जीवन में आज यह पहला ही दिन है कि एकान्त रात में एक स्त्री मेरे पलंग पर आकर बैठ गयी है, मैं चिरकुमार! अपनी एक प्रतिज्ञा का निर्वाह करने के लिए सैकड़ों असत्य, अपराध करता फिर रहा हूँ। क्यों ? तुम जानती

हो ? मैं स्त्रियों का घोर विद्रोही हूँ और पन्ना। ....किन्तु उसका क्या अपराध। अत्याचारी बलवन्तसिंह के कलेजे में मैं बिछुआ न उतार सका। किन्तु पन्ना! उसे पकड़कर गोरे कलकत्ते भेज देंगे। वही....।''

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) पन्ना को पकड़कर गोरे कलकत्ते क्यों भेज देते ?

(*iii*) नन्हकूसिंह उद्विग्न क्यों हो उठा था ?

(*iv*) नन्हकूसिंह ने कौन-सी प्रतिज्ञा की थी ?

(*v*) राजा बलवन्तसिंह ने नन्हकूसिंह के प्रति क्या अत्याचार किया था ?

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के आधार पर निम्नलिखित अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

प्राचीन और आधुनिक व्यंग्य के बीच यह फर्क क्यों है ? इसका एक महत्त्वपूर्ण कारण तो यह जान पड़ता है कि आधुनिकता के साथ मनुष्य के प्रति हमारे दृष्टिकोण में भी बदलाव आया है। पहले यह दृष्टिकोण मूलत: प्रेम का होता था, अब घृणा का हो गया है। जब मनुष्य से प्रेम होता है, तो व्यंग्य में भी एक तरह की आत्मीयता होती है : उसे समझने की कोशिश होती है। इसीलिए पहले का कवि जब मूर्खों, कृपणों तथा दुराचारियों पर व्यंग्य करता था, तो उसमें एक तरह की मिठास भी होती थी। वह दरअसल प्रहार कम था, अपनी तकलीफों का रोना ज्यादा। लेकिन

आधुनिक व्यंग्य इस तरह के मानवीय रिश्ते से पैदा नहीं होता। वह जिसको अपना शिकार बनाता है, उसे अपना शत्रु मानता है। फलस्वरूप व्यंग्य एक तरह की अमानवीयता को प्रोत्साहित करता है।

प्रश्न :

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का केन्द्रीय विचार लिखिए। 2

(*ii*) ''आधुनिक व्यंग्य एक तरह की अमानवीयता को प्रोत्साहित करता है।'' क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। 4

(*iii*) आत्मीयता तथा आधुनिकता शब्द 'ता' प्रत्यय के योग से बने हैं। इसी तर्ज पर 'ता' तथा 'इक' प्रत्यय के योग से **दो-दो** शब्द बनाइए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×5=15

(*i*) "विकासवाद की व्याख्या के अनुसार धर्म अलौकिक, नित्य और स्वतन्त्र पदार्थ नहीं है।" आशय स्पष्ट कीजिए। (विज्ञान और धर्म)

(*ii*) काशी में 'गुण्डा' सम्प्रदाय के पैदा होने के क्या कारण बताए गए हैं ? (गुण्डा)

(*iii*) निष्क्रिय और सक्रिय प्रतिरोध के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(आधुनिक हिंदी साहित्य की राजनीतिक विरासत)

(*iv*) "साहित्यकार पाठक की अँगुली पकड़कर नहीं चलता, बल्कि पाठक साहित्यकार की अँगुली पकड़कर चलता है।" आशय स्पष्ट कीजिए।

('आज के अतीत' से)

(*v*) भाषा और नदी की समानताओं पर प्रकाश डालिए।

(भाषा बहता नीर)

(*vi*) नए मध्यम वर्ग की खूबियों और खामियों पर प्रकाश डालिए। (बदलता भारतीय समाज)

(*vii*) समय के केन्द्र की उन **तीन** शक्तियों का उल्लेख कीजिए जो अमेरिका के हाथों में हैं।

(शक्ति का केन्द्रीकरण)

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×5=15

(*i*) कहानी की तकनीक के विषय में माणिक मुल्ला के विचार क्या थे ?

(*ii*) माणिक मुल्ला का सत्ती से परिचय कैसे हुआ ?

(*iii*) महेसर दलाल द्वारा लाई गई औरत का उनके बच्चों के प्रति कैसा व्यवहार था ?

(*iv*) इस उपन्यास में चित्रित समाज पर टिप्पणी कीजिए।

(*v*) रामघन कौन था ? उसकी उपन्यास में क्या भूमिका थी ?

(*vi*) सूरज के सातवें घोड़े को तेजस्वी और शौर्यवान क्यों कहा गया है ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) नागालैण्ड की किन विशेषताओं का उल्लेख लेखक ने किया है ?

(*ii*) 'झेलम से हरिन बांगा तक' में से किसी **एक** मार्मिक घटना का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) महात्मा बुद्ध के अन्तिम दिन कहाँ बीते और उनकी मृत्यु कैसे हुई ?

(*iv*) 'हिंद महासागर का मोती' में यूरोपियनों के बंगलों को 'साम्राज्यवाद के अवशेष' क्यों कहा गया है ?

(*v*) नैनी झील के सौन्दर्य का चित्रण कीजिए।

(*vi*) सिगरी उनसत के व्यक्तित्व की किन्हीं **दो** विशेषताओं का परिचय दीजिए।

(*vii*) स्वामी विवेकानन्द द्वारा स्थापित आश्रम का परिचय दीजिए।

5. किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 10

(*i*) इंटरनेट माध्यम और सरकारी नियंत्रण;

(*ii*) महंगाई की मार;

(*iii*) परिवार और बुजुर्ग।

6. निम्नलिखित संवादों को कथा शैली में लिखिए : 5

कबीर : तेरे बाप ने जबरदस्ती तेरी शादी की है ? तू मेरे साथ रहना नहीं चाहती थी ?

लोई : यह भी कोई पूछने वाली बात है ?

कबीर : क्यों ?

लोई : बापू ने हमसे पूछा थोड़े ही था ?

कबीर : और अगर हम पूछें तो ?

(लोई चुप रहती है।)

क्यों ? चुप क्यों हो गई ? अगर हम पूछें तो ?

लोई : पूछ भी रहा है तो शादी के बाद। अब क्या तुक है ? फिर भी बता दूँ ? सुनेगा ?

कबीर : बता दे।

लोई : हमारे पिछवाड़े एक साहूकार का छैल-छबीला छोरा रहता था। उससे हमारा प्रेम था। वह हमें ब्याहना चाहता था ?

कबीर : फिर ?

लोई : बापू हमसे पूछता तो हम तो सच कहतीं, हम उससे ब्याह करेंगे। उससे हमारा परेम था। उसे पता चला कि तुमसे हमारा ब्याह होने जा रहा है तो उसने कहा, भागकर हमारे यहाँ चली आओ। और क्या मालूम हम चले भी जाते।

कबीर : तू उससे ब्याह करना चाहती थी ?

लोई : और नहीं तो क्या! उसे हम जानती थीं, वह हमें जानता था। तुम्हें तो हम जानती भी नहीं थीं।

कबीर : (सोच में पड़ जाता है।) यह तो बड़ा अनरथ हुआ।

लोई : अनरथ तो हुआ ही, पर इसका दोस हम तुम्हें थोड़े ही दे रही हैं। बापू ने ब्याह कर दिया तो हम यहाँ चली आईं।

7. (क) कोश किसे कहते हैं ? हिंदी विश्वकोश पर टिप्पणी कीजिए। 5

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 5

चुपचाप, अस्पताल, विरुद्ध, आधुनिक, विस्तार, उपरान्त, लोकप्रिय, नाउम्मीद, संघर्ष, क्षेत्र।

अथवा

किन्हीं **दो** अवधारणामूलक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए :

जातीयता, अन्धराष्ट्रवाद, उपनिवेश, बाजारवाद।

(ग) किन्हीं **पाँच** वाक्यों का पदक्रम ठीक कीजिए : 5

(*i*) एक चाय का गरम कप दो।

(*ii*) छाई थी पकवानों की घर में खुशबू।

(*iii*) कहता-कहता सो गया मुन्ना खाने को दादाजी के साथ।

(*iv*) होता है प्रेमी साहित्यकार सौन्दर्य और निर्माण का स्वभावत:।

(*v*) फर्क हो सकता है सुख और दुख में भी अमीरों और गरीबों के।

(*vi*) था मैं दो साल का मृत्यु के समय माँ की।

(*vii*) मेरे को आज तेरे से लेनी है पुस्तक।